>

Title: Problems likely to be faced by gold traders due to proposed increase in Excise duty and taxes.

**श्री नारनभाई कछाड़िया (अमरेली):** महोदय, मैं आज आपके माध्यम से, माननीय वित्त मंत्री जी ने वर्ष 2012-13 के लिए जो बजट पेश किया है, उसमें स्वर्णकारों के व्यवसाय के साथ अन्याय हुआ है, उसके लिए मैं बोल रहा हूं।

महोदय, यह व्यवसाय पूरे देश में फैला हुआ है। इस व्यवसाय में देश की जनसंख्या का एक बड़ा भाग, एक छोटे कारीगर से लेकर एक बड़े कारीगर तक, रोजगार प्राप्त करते रहे हैं। देश की जनता बजट सेशन की आस में पूरा साल इंतजार करती है इस बजट में कुछ राहत मिलेगी, लेकिन जब उनके विपरीत बजट पेश होता है, तो उनकी आशाओं पर पानी फिर जाता है और वह अंत में हारकर बैठ जाता है। इस तरह धीरे-धीरे सरकार से जनता का विश्वास भी उठ जाता है। हम जानते हैं कि भारत बेरोजगारी जैसी ज्वलंत समस्या से जूझ रहा है और यूपीए सरकार देश की जनता पर से महंगाई का बोझ कम करने की बजाए और बढ़ा रही है।

इस बजट में ज्वैलरी व्यापारियों को दो बड़े झटके मिले हैं, एक, छोटे से छोटे ज्वैलरी व्यवसाय को सेंट्ल एक्साइज ड्यूटी के अंतर्गत रखा गया और दो लाख से ऊपर के सभी लेन-देन में कर का भुगतान कंप्लसरी कर दिया, जबकि सरकार को अच्छी तरह से पता है कि आज सोने का व्यवसाय लाखों रुपये से कम नहीं हो सकता है। आज सोने के आयात पर आयात शुल्क बढ़ाकर चार प्रतिशत कर दिया और इस पर अलग से एक प्रतिशत एक्साइज ड्यूटी एवं आयकर विभाग द्वारा एक प्रतिशत टीडीएस भी कंप्लसरी कर दिया। इतना ही नहीं, अब एक साधारण आदमी को अपने घर की बहु-बेटी के लिए सोना खरीदने के लिए पैन कार्ड लेकर जाना पड़ेगा। इस सरकार ने इस व्यवसाय ही नहीं, बल्कि साधारण आदमी को भी घसीट रही है और जनता को अनावश्यक रूप से परेशान कर रही है।

इस ज्वैलरी व्यवसाय, जे सूक्षम, लघु एवं मध्यम उद्योग के अंतर्गत आता है, में अशिक्षित लोग सीखकर काम कर रहे हैं और अपनी रोजी-रोटी चला रहे हैं। सरकार से यदि ऐसे कर लगाती है, तो स्वर्णकारों की स्थिति और भी दयनीय हो जाएगी एवं इस व्यवसाय से जितने स्वर्णकार जुड़ हुए हैं, सब बेरोजगार हो जाएंगे क्योंकि सोना पहले से ही इतनी महंगी चीज है कि गरीब आदमी उसके बारे में सोच भी नहीं सकता है। ...(व्यवधान) आज हमारे देश में सोने के आभूषण का अत्यधिक महत्व होने के साथ-साथ मांग भी अधिक है और सोने पर अतिरिक्त ड्यूटी लगाने से देश में गलत तरीके से सोने के आयात होने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे इस व्यवसाय में देश को नुकसान होगा। इस बजट से पूरे देश के स्वर्णकार डरे हुए हैं और कहीं इसकी वजह से लोग बेरोजगार न हो जाएं। इसलिए पूरे देश में स्वर्णकारों द्वारा कुछ दिनों तक हड़ताल भी की गयी। मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि इस बजट में इस व्यवसाय पर जो भी अतिरिक्त कर भार दिया गया है, उसे वापस ले, ताकि छोटे स्वर्णकारों पर व्यवसाय में अतिरिक्त बोझ न पड़े और उनकी रोजी-रोटी बनी रहे।

**सभापति महोदय :**

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण,

प्रो. रामशंकर,

श्री रमेन डेका,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री गणेशराव नागोराव दूधगांवकर,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्रीमती पूनम वेलजीभाई जाट,

श्री के.डी. देशमुख एवं

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल स्वयं को श्री नारनभाई कछाड़िया द्वारा उटाए गए विषय से सम्बद्ध करते हैं।